

पंचपरगनिया लोककथा

संकलन / संपादन

परमानन्द महतो

ISBN : 978-81-86845-38-0

प्रथम संस्करण : 2021

सर्वाधिकार © : संकलक/संपादक

प्रकाशक : पृथ्वी प्रकाशन

126, विद्या विहार

रोहतक रोड

न्यू दिल्ली 110024

वितरक : झारखण्ड झरोखा

दुकान न.- डी. जी. 03, न्यू बिल्डिंग, न्यू मार्केट,

रातू, रोड, राँची, (झारखण्ड), पिन न. 834001

मो. 09973112040, 07979711886

E-mail : jh.jharokharn@gmail.com

मूल्य : 150.00

PANCHPARGANIYA LOKKATHA

by

PARMANAND MAHTO

अनुक्रम

	पृष्ठ
1. सहरइ परब	9-10
2. बुढ़ा-बुढ़ी	11-11
3. ठेकी केर जनम-काथा	12-12
4. छ'नाच	13-13
✓ 5. बिन बापेक छुआ	14-17
6. बिजो बहिन केर बिलाप	18-20
7. गनक ठाकुर आर तीन टा चोर	21-22
✓ 8. पैंटी रानी	23-25
✓ 9. चालाक बिलाइ	26-28
10. हथी आर सिआर	29-29
11. सिआर आर ऊँट	30-30
12. बाध आर दुइ बहिन	31-32
13. गोपाल भाँड़	33-34
14. पुइतु बुढ़ा आर बाँड़ा सिआर	35-36
15. बुचा सिआर	37-39
16. कहनी आर बहनी	40-40
✓ 17. बारहा आर भालू	40-40
18. घने आर बाने	41-41
19. लिपी चरइ	41-41
20. चारवाहा आर राकसीन बुढ़ी	42-45
22. सातबहनी आर चारवाहा	46-47
22. चाइर संगी आर राकसीन केर बेटी	48-51
✓ 23. सतनाराइन काथा	52-55
✓ 24. करमा धरमा केर काथा	56-62

✓ 25. जितुआ बरत केर काथा	63-68
26. कउआ काना	69-69
27. आसमान केर खूँटा	70-72
28. कारलाबती	73-75
✓ 29. ठकुआ आर भिखुआ	76-78
30. किसान आर पँड़की	79-81
31. एक राजा आर सात रानी	82-84
✓ 32. बिएजरी आर पाँच परी	85-90
33. कुदरा आर नउआ	91-92
✓ 34. मामा-भगिना	93-94

परिचय

नाम : परमानन्द महतो
पिता : परेशनाथ महतो
जन्म स्थान : बसंतपुर, पो.-पोगड़ा, सिल्ली राँची
शिक्षा : एम.ए.-पंचपरगनिया भाषा साहित्य
में स्नातकोत्तर-1987



शिक्षण कार्य : 1998 से स्नातकोत्तर जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची में आंशिक शिक्षण कार्य।

प्रकाशित किताब :

1. पंचपरगनिया भाषा
2. जीवन पथेक फूल
3. पुस पीठा
4. पंचपरगनिया लोकगीत संग्रह
5. पंचपरगनिया लोककथा संग्रह
6. बांबरा : पंचपरगनिया कविता संग्रह



PRITHVI PRAKASHAN
126, Vidya Vihar
Rohtak Road
New Delhi-110024

ISBN : 978-81-86845-38-0



978-81-86845-38-0

मूल्य : 150.00 रु.